THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) A statement is laid on the Table of the Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT-1206/77.]

Use of Hindi in Ministries

1944. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news item publish in the newspapers dated 11th August, 1976 to the effect that eight sections of the Finance Ministry have started use of Hindi for official purposes and if so, his reaction thereto;

(b) the names of other Ministries of the Government of India which have started using Hindi alone for official purposes and since when; and

(c) whether the Official Languages Department provides any incentive to those Ministries which have started using Hindi only and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) Yes Sir, last year Department of Expenditure of the Ministry of Finance had decided to do the administrative work in Hindi in their 8 Sections (which have now been reorganised into six Sections), which is commendable.

(b) According to the present policy of the Government of India, Government Employees have option to do their official work either in Hindi or English; but Hindi knowing employees are encouraged to do more and more work in Hindi.

(c) According to the answer to part (b) above, the question of doing work only in Hindi in the Ministries does not arise, but it has been decided that a shield will be awarded by the Department of Official Language to that Ministry in which highest quantum of work is done in Hindi.

Raising Pensions of Freedom Fighters

1946. SHRI SUKHENDRA SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the freedom fighters have requested the Central Government to raise their pensions; and

(b) if so, their demand and the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL):

(a) Yes, Sir. From time to time the freedom fighters have been requesting for general enhancement of the minimum pension of Rs. 200 per month.

(b) A general enhancement of the minimum pension of Rs. 200 per month is not feasible in the present difficult economic situation.

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष

1947. **श्री नटवरलाल बी० परमार :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रधान मंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष की आय के स्रोत क्या है ; और

(ख) गत छः महीनों में प्रधान मन्त्री राष्ट्रीय सहायता कोष से प्रत्येक मामले में कितनी-कितनी सहायता राशि दी गई और उसके लिए क्या मापदण्ड अपनाया गया ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) प्रधान मंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष की आय के स्रोत जनता से ऐच्छिक अंशदान तथा बैंक डिपाजिट्स पर अर्जित ब्याज है ।

(ख) 1 जून 1977 से अब तक इस कोष से जो अनुदान दिए गए हैं वे इस प्रकार हैं :—

1. पश्चिम बंगाल सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए।	2,00,000–00
2. गुजरात सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	2,00,000–00
3. आन्ध्र प्रदेश सरकार—तूफान से पीड़ित लोगों की सहायतार्थ	42,00,000–00
4. त्रिपुरा सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,00,000–00
5. दिल्ली प्रशासन—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	2,00,000–00
6. हरियाणा सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,50,000–00
7. उड़ीसा सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,00,000–00
8. उत्तर प्रदेश सरकार—बाढ़पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,00,000–00
9. असम सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	2,00,000–00
10. तमिलनाडु सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,00,000–00
11. तमिलनाडु सरकार—तूफान से पीड़ितों की सहायता के लिए ।	11,000,000–00
12. राजस्थान सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	1,00,000–00
13. पंजाब सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	50,000–00
14. कर्नाटक सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	50,000–00
15. केरल सरकार—बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ।	50,000–00
16. जोरहाट के पास भारतीय वायुसेना के विमान दुर्घटना में पांच मृतक विमान चालकों के परिवारों को (प्रत्येक को 10,000–00 रुपये)	50,000–00
17. श्री के० के० चड्ढा, स्टेनोग्राफर के परिवार को, जो डी० डी० ए० बिल्डिंग की 17वीं मंजिल से छलांग लगाकर मरे ।	5,000–00
18. श्री तात्या साहे देशपांडे, नासिक- इलाज के लिए	1,000–00
19. स्वर्गीय रणधीर सिंह के परिवार को, जो कीर्तिनगर नई दिल्ली अग्निदुर्घटना में मरे ।	1,000–00
20. केरल सरकार, तूफान से पीड़ित लोगों के लिए ।	1,00,000–00
कुल	70,57,000–00

प्राकृतिक विपदाओं के विस्तार, जान-माल के नुकसान तथा मानवीय कष्ट के आधार पर राज्य सरकारों को अनुदान दिए गए। दुर्घटनाओं में रोटी कमाने वाले की असामयिक मृत्यु के कारण उनके परिवारों के अत्यधिक कष्ट को कम करने तथा गरीबी में गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति के एक मामले में इलाज के लिए अन्य अनुदान दिए गए ।